न्यूज डायरी

आरोपी नीरव मोदी से जुड़ा एक वीडियो ब्रिटेन की कोर्ट में पेश किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से घिरे हीरा व्यापारी नीरव मोदी से जुड़ी कंपनियों से संबद्ध तथाकथित नकली निदेशकों की ओर से बनाए गए वीडियो में चोरी में फंसाए जाने या हत्या करवाए जाने की धमकी जैसे आरोप हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने यह वीडियो नीरव के खिलाफ चल रही प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई के दौरान ब्रिटेन की एक अदालत में सौंपा। इस सप्ताह सुनवाई के दौरान लंदन की वेस्टमिंस्टर मैजिस्ट्रेट की अदालत में दिखाए गए इस वीडियो में छह भारतीयों को सुना जा सकता है। उनमें से हरेक ने दुबई छोड़ने और मिस्र के काहिरा आने के लिए मजबूर करने के आरोप लगाये हैं। उनके अनुसार वहां उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और उन्हें उनकी मर्जी के खिलाफ नीरव के भाई नेहाल मोदी ने संदिग्ध कागजातों पर कथित रूप से दस्तखत कराए।

पाकिस्तान सेना ने की 20 प्रतिशत सैलरी बढ़ाने की मांग?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश के प्रधानमंत्री इमरान खान पहले भी कह चुके हैं कि लॉकडाउन की वजह से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई को रिलीफ पैकेज देने के लिए पाकिस्तान के पास पर्याप्त बजट नहीं है। इस बीच पाकिस्तान की सेना ने सैलरी बढ़ाने की मांग की है। पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 35,000 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। पाक सेना ने मांग की है कि 2020–21 के लिए उनकी सैलरी 20 प्रतिशत बढ़ाई जाए। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अगर ऐसा किया जाता है तो राजकोष को 6,367 करोड़ का झटका लग सकता है। मंत्रालय को दिए गए ज्ञापन में दावा किया गया है कि सेना की सैलरी कम है क्योंकि महंगाई बढ़ चुकी है। ज्ञापन में कहा गया है कि 2019–20 में ब्रिगेडियर की रैंक तक 5 प्रतिशत सैलरी बढ़ाई गई थी लेकिन जनरल ऑफिसरों को कोई बढ़त नहीं दी गई थी।

वुहान की लैब से क्यों सबको दूर रखना चाहता है चीन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरनाक प्रसार पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने गंभीर चिंता जाहिर की है। इसके साथ ही उन्होंने बुधवार को कहा कि कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र के तहत समन्वित और समावेशी बहुपक्षीय कोशिशें करने की जरूरत है। कोविड–19 से निपटने में सहयोग पर चर्चा के लिए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित आठ सदस्यीय एससीओ देशों के विदेश मंत्री बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई बैठक में शामिल हुए। बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि कोविड–19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में मजबूत, समन्वित और समावेशी बहुपक्षीय कोशिशें करने की जरूरत है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था की केंद्रीय भूमिका हो।

इटली के बच्चों में दिख रहे अजीब लक्षण, डॉक्टरों ने बताया– किलर कोरोना का रूप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बरगामो। इटली के लॉम्बार्डी में बच्चों को शरीर पर जलन महसूस हो रही है। अकेले बरगामो शहर में 10 ऐसे मामले सामने आए हैं और अब एक अध्ययन में दावा किया जा रहा है कि ये कोरोना वायरस से जुड़े हुए हैं। डॉक्टरों के पास ऐसे बच्चे आए हैं जिनके पूरे शरीर पर लाल चकते बन गए हैं और हाथ–पांव में सूजन नजर आ रहा है। अस्पताल में भर्ती हुए 80 फीसदी बच्चों में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे जबकि 60 प्रतिशत गंभीर रोगों जैसे कि हार्ट डिजिज से पीड़ित थे। शरीर पर जलन महसूस करने वाले लक्षण सबसे पहले ब्रिटेन, इटली और फिर स्पेन के बच्चों में दिखाई दिए हैं। यह कावासाकी बीमारी से मिलता–जुलता है। कावासाकी बीमारी अधिकांश पांच साल से कम उम्र के बच्चों में पाई जाती है। पिछले 5 सालों में 19 बच्चों में कावासाकी के लक्षण दिखे हैं।

डब्ल्यूएचओ में बड़ी जिम्मेदारी निभाने को तैयार भारत

भारत के लिए इस जियोपॉलिटिकल चुनौती से निपटना आसान नहीं होगा

अवसर

- भारत डब्ल्यूएचओ की निर्णय लेने वाली इकाई को जल्द लीड करने जा रहा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जिनेवा/नई दिल्ली। भारत जल्द विश्व स्वास्थ्य संगठन के एग्जिक्यूटिव बोर्ड की कुर्सी संभालने वाला है। भारत जहां फैसला लेने वाले सभी वैश्विक मंचों का सदस्य बनना चाह रहा था वहीं यह बड़ी जिम्मेदारी उसे कोरोना संकट के बीच मिल रही है। डब्ल्यूएचओ के निर्णय लेने वाली इकाई की जिम्मेदारी नई दिल्ली के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने जा रही है तब जब संयुक्त राष्ट्र की यह एजेंसी अमेरिका और चीन के जियोपॉलिटिकल लड़ाई का केंद्र बन गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ पर आरोप लगाए हैं कि कोरोना वायरस से संबंधित इसके कदम चीन केंद्रित रहे हैं और वह उसका बचाव करता आया है। वहीं, चीन ने भी सोशल मीडिया पर अमेरिका के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है।

भारत के लिए है बड़ा अवसर: डब्ल्यूएचओ जहां अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने के संकट से गुजर रहा है वैसे में भारत के लिए यह एक अवसर भी हो सकता है कि कैसे इसके नेतृत्व को मजबूत किया जाए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के कंसल्टेंट की भूमिका निभा चुके मोहम्मद जीशान कहते हैं कि भारत अपने ऐडवांस फार्माश्यूटिकल इंडस्ट्री का फायदा उठा सकता है और एक टेक्नोक्रैटिक भूमिका में आ सकता है।

जीशान कहते हैं कि इस सप्ताह पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में फार्माश्यूटिकल की महात्वाकांक्षा को दर्शाया है। उन्होंने रातोंरात जरूरी मेडकल उपकरण बनाने के लिए इंडस्ट्री की सराहना की है। और इस महामारी को भारत के वैश्विक लीडर बनने का अवसर बताया। एक उभरती हुई बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में जहां भारत विश्व की सबसे बड़ी हेल्थ बॉडी की जिम्मेदारी निभाने जा रहा है, वहीं ऐसे में उसके लिए जियोपॉलिटिकल विवाद से बचना आसान नहीं होगा।

जियोपॉलिटकल चुनौती, कैसे निपटेगा भारत?: इसी सप्ताह अमेरिका ने ताइवान को डब्ल्यूएचओ में शामिल करने के प्रयास की पहल की है। विदेश मंत्री माइक पॉम्बियो ने सात देशों की बैठक बुलाई। इन सात देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इजरायल, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा भारत भी शामिल था। लेकिन दो दिन के बाद ही भारत को चीन और रूस ने शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन की बैठक में आमंत्रित किया। इसका मकसद महामारी के खिलाफ किए जा रहे प्रयास पर चर्चा थी। उल्लेखनीय है कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। भारत तीन साल तक डब्ल्यूएचओ का प्रतिनिधित्न करेगा और यह भारत के लिए अवसर है कि वह कैसे इस वैश्विक संगठन को मौजूदा संकट से बाहर निकाले।

चीन ने दी कब्जे की धमकी ताइवान करेगा युद्धाभ्यास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ताइपे। कोरोना वायरस संकट के बीच चीन और ताइवान के विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। चीन के दक्षिण चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले दोंगशा द्वीप समूह पर कब्जा करने का युद्धाभ्यास करने का ऐलान करने के बाद तनाव और बढ़ गया है। अब ताइवान ने घोषणा की है कि वह जून महीने में फायरिंग का अभ्यास करेगा। ताइवान ने कहा है कि इस अभ्यास के दौरान दोंगशा द्वीप समूह पर मोर्टार और मशीनगन पोजिशन की परख की जाएगी।

दोंगशा द्वीप समूह में एक द्वीप और दो कोरल रीफ हैं। इसके दो किनारे हैं। ताइवान ने इसे नैशनल पार्क घोषित कर रखा है। इससे पहले सोमवार को आई खबरों में कहा गया था कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी अगस्त महीने में साउथ चाइना सी में व्यापक पैमाने पर लैंडिंग का अभ्यास करेगी। यह एक तरीके से दोंगशा द्वीप पर कब्जा करने का छद्म अभ्यास होगा।

जापान की क्योदो न्यूज एजेंसी के मुताबिक पीएलए के लैंडिंग एक्सरसाइज को दक्षिण थिएटर कमांड की ओर से आयोजित किया जाएगा और इसमें बड़े पैमाने पर जंगी जहाज, पानी और जमीन दोनों पर चलने में सक्षम होवरक्राफ्ट, हेलकॉप्टर और मरीन शामिल होंगे।

बताएंगे केंद्रीय मंत्री, कोरोना से कैसे निपट रहा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन सप्ताहांत में भारतीय–अमेरिकी समुदाय को संबोधित करेंगे और उन्हें बताएंगे कि भारत कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से किस तरह निपट रहा है। इस वेब सम्मेलन के आयोजकों ने बुधवार को बताया कि 17 मई को आयोजित होने वाले इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल और सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार भी अपने विचार रखेंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन असोसिएशन्स (एफआईए) और शबिहार ऐंड झारखंड असोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीएजीएएनए) ने इस वेब सम्मेलन का आयोजन किया है।

बाइडेन को बढ़त पर महत्वपूर्ण राज्यों में ट्रंप पर लोगों का भरोसा बरकरार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोरोना से निपटने में नाकाम रहने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हो रही आलोचना

वॉशिंगटन। कोरोना का कहर अमेरिका पर बुरी तरह टूटा है और इससे निपटने में नाकाम रहने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में नवंबर में होने जा रहे चुनाव में ट्रंप के लिए जीत डगर मुश्किल होने जा रही है। वहीं एक ताजा सर्वे में डेमोक्रैटिक के उम्मीदवार जो बाइडेन को ट्रंप के मुकाबले पांच पॉइंट की बढ़त दिख रही है। हालांकि, चुनावी रूप से महत्पूर्ण राज्यों में ट्रंप की स्थिति काफी बेहतर है जो राज्य इलेक्टोरल कॉलेज को डिसाइड करेंगे।

एसएसआरएस के पोल में बाइडेन देश के 51 प्रतिशत वोटरों की पसंद बने हुए हैं जबकि 46 प्रतिशत को ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा है। वहीं, निर्णायक राज्यों में ट्रंप को 52 प्रतिशत वोटरों का साथ है जबकि यहां बाइडेन 7 प्रतिशत पीछे हैं। डेमोक्रैट्स में 95 फीसदी बाइडेन को सपॉर्ट कर रहे हैं और 95 फीसदी रिपब्लिकन की पसंद भी ट्रंप ही हैं। वहीं निर्दलीयों की बात करें तो 50 फीसदी ट्रंप और 46 फीसदी बाइडेन के समर्थन में खड़े हैं। वहीं, महिला वोटरों की बात करें तो बाइडेन इनके चहेते बने हुए हैं उन्हें 55 फीसदी वोटरों का समर्थन दिख रहा है जबकि 41 फीसदी महिला वोटर ट्रंप को चुनना चाहती हैं। पुरुषों की बात करें तो यहां ट्रंप उनके चहेते बने हुए हैं। 50 फीसदी पुरुष वोटर ट्रंप और 46 फीसदी पूर्व उपराष्ट्रपति बाइडेन के समर्थन में दिख रहे हैं। वहीं अगर अधेड़ उम्र के वोटरों की बात करें तो यहां बाइडेन को ट्रंप पर 6 अंकों की बढ़त है। जबकि 45 साल से नीचे के लोग भी ट्रंप की अपेक्षा बाइडेन पर भरोसा करते दिख रहे हैं।

पोल के नतीजे बताते हैं कि बैटलग्राउंड राज्यों में ट्रंप युवाओं की पसंद है। वहीं 65 साल से अधिक उम्र के वोटर ट्रंप की अपेक्षा बाइडेन पर भरोसा करते दिख रहे हैं।

बदबूदार कीड़ों का आतंक, परिवार को होना पड़ा बेघर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बैंकॉक। पिछले दिनों दक्षिण एशिया और अफ्रीका में टिड्डों ने लाखों हेक्टेयर फसलों पर कब्जा कर लिया था जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। अब मौसमी कीड़े आतंक मचा रहे हैं। इन कीड़ों ने फसलों पर नहीं बल्कि लोगों के घरों पर धावा बोल दिया है। थाइलैंड में इन कीड़ों ने एक परिवार को इतना परेशान किया कि उन्हें अपना घर ही छोड़ना पड़ गया। उथाई थानी प्रांत में एक घर के हर कोने पर कीड़ों ने बसेरा बना लिया। चाहे घर की दीवार हो या फिर छत। घर में रह रहे हजारों–हजार की संख्या में उन कीड़ों को देखकर इतने डर गए कि उन्होंने घर छोड़कर रात बाहर बिताने का फैसला किया। ये कीड़े बेहद बदबूदार भी थे जिनकी वजह से घर के सदस्यों का दम घुटने लगा। कीड़ों के आतंक की क्या वजह है? स्थानीय मीडिया के मुताबिक रविवार रात प्रांत में भारी बारिश हुई थी और शायद यही वजह है कि टिड्डे लोगों के घरों में घुस गए। थाइलैंड में मॉनसून शुरू हो चुका है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल से ही भारत, पाकिस्तान और पूर्वी अफ्रीकी देशों में टिड्डों के आतंक से किसान परेशान हैं।